

[This question paper contains 6 printed pages.]

1243

Your Roll No.

आपका अनुक्रमांक _____

LL.B

JS

III Term

Paper LB-302-LIMITATION AND ARBITRATION

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित
स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :- Answers may be written either in English or in Hindi; but
the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में
दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **Five** questions including question
No. I Which is compulsory and select at least
one question each from Part I and Part II.

All questions carry equal marks.

अनिवार्य प्रश्न क्रमांक I सहित कुल पाँच प्रश्न कीजिये।

भाग I और भाग II से कम-से-कम एक प्रश्न अवश्य कीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Attempt briefly any four of the following :

- (a) Objective of law of limitation.
- (b) Explain Exclusion of time for Proceeding bonafide in a court without jurisdiction.
- (c) Foreign Awards and its enforcement.
- (d) Differentiate between Arbitral proceedings and other judicial proceedings in the court.
- (e) Interim measures by courts in an Arbitral proceeding.

निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर संक्षेप में लिखिए -

- (क) परिसीमा विधि के उद्देश्य
- (ख) किसी न्यायालय में सदभावपूर्वक अधिकारिता बिना कार्यवाही हेतु समय के अपवर्जन की व्याख्या कीजिए
- (ग) "विदेशी अधिनिर्णय" और इसका प्रवर्तन
- (घ) माध्यस्थम कार्यवाहियों तथा न्यायालय में अन्य न्यायिक कार्यवाहियों के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए
- (ङ) माध्यस्थम कार्यवाही में न्यायालयों द्वारा अन्तरिम उपाय

PART-I (भाग - 1)

2. (a) What is the effect of 'legal disability' of the party entitled to sue, on the bar of limitation in the light of relevant provisions of limitation Act 1963 and decided cases.

- (b) Distinction between Section 18 and 19 - of the Limitation Act, 1963.
- (क) परिसीमा अधिनियम 1963 के सुसंगत उपबन्धों और विनिश्चय केषों के प्रकाश में माध्यस्थम में वाद चलाने के हकदार पक्षकार की "विधिक निर्योग्यता" का क्या परिणाम होता है ?
- (ख) परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा 18 और 19 के बीच भेद ।
3. (a) Discuss the ban/effect of Section on 8 of Limitation Act, on the operation of Section 6 & 7 of Limitation, Act 1963.
- (b) Discuss the scope of the expression time requisite "for obtaining a copy of the decree, sentence or order appealed from" enshrined in Sub section 2 of Section 12 of the Limitation Act, 1963 with recent judicial pronouncements.
- (क) परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा 6 और 7 के परिचालन पर परिसीमा अधिनियम की धारा 8 के वर्जन/प्रभाव का विवेचन कीजिए ।
- (ख) परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा 12 की उपधारा 2 में उल्लिखित "उस डिक्री, दंडादेश या आदेश की, जिसकी अपील की गई थी प्रति प्राप्त करने हेतु" अपेक्षित समय की अभिव्यक्ति की व्याप्ति का विवेचन हाल की न्यायिक उद्घोषणाओं सहित कीजिए ।
4. (a) What is the effect of Acknowledgement on the Law of Limitation. Explain with illustrations.
- (b) What is the applicability of the Limitation Act, 1963 in case a special Law prescribes a different Period of Limitation.

- (क) अभिस्वीकृति का परिसीमा विधि पर क्या प्रभाव पड़ता है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
- (ख) जिस मामले में कोई विशेष विधि परिसीमा की भिन्न अवधि विहित कर देती है उसमें परिसीमा अधिनियम, 1963 की क्या अनुप्रयोज्यता होती है ?

PART-II. (भाग - I)

5. (a) Explain the scope of the Term "Arbitration Agreement". Is it possible to execute or arbitrate on agreement once the dispute is being adjudicated for ? What is its binding effect when parties to the dispute are not same as parties to the agreement.

(b) The power exercised by the chief justice of the High Court or Chief Justice of India u/sec. 11(6) of the Arbitration and conciliation Act is a judicial power. Critically Analyse.

(क) 'माध्यस्थम करार नामा शब्दों की व्याप्ति को स्पष्ट कीजिए । जब एक बाद किसी विवाद का न्यायनिर्णयन किया जा रहा है तब क्या माध्यस्थम करारनामा निष्पादित किया जाना संभव है ? जब विवाद के पक्षकर वे ही न हों जो करारनामे के पक्षकार हैं तब इसका क्या बाध्यकारी प्रभाव पड़ता है ?

(ख) माध्यस्थम और सुलह अधिनियम की धारा 11(6) के अधीन किसी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति अथवा भारत के मुख्य न्यायमूर्ति द्वारा प्रयुक्त अधिकार न्यायिक अधिकार होता है । आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए ।

6. (a) Discuss the Law relating to Interim measures u/sec.9 of the Arbitration & conciliation Act, specially when the place of Arbitration is outside India with special emphasis on Bhatia International V. Berk Trading S.A., AIR 2002 SC 1432.
- (b) Discuss the power of Arbitration to Rule on his own jurisdiction.
- (क) माध्यस्थम और सुलह अधिनियम की धारा 9 के अधीन अंतरिम उपायों से सम्बन्धित विधि का विशेषतया तब जब माध्यस्थम का स्थान भारत के बाहर हो, विवेचन भाटिया इन्टरनेशनल बनाम बर्क ट्रेडिंग एस. ए., ए आई आर 2002 एस सी 1432 पर विशेष बल देते हुए कीजिए।
- (ख) मध्यस्थ की अपनी स्वयं की अधिकारिता में विनिर्णय करने के अधिकार का विवेचन कीजिए।
7. (a) Explain the scope of Recourse against Arbitral Award with forms and contents of Arbitral Award with the help of recent judgements.
- (b) What is the status of enforceability and effect of a domestic Award or foreign award & a conciliation settlement.
- (क) हाल के निर्णयों की सहायता से माध्यस्थम पंचाट के विरुद्ध प्रतिकर मांगने के कानूनी अधिकार की व्याप्ति की व्याख्या माध्यस्थम पंचाट के प्ररूप तथा अन्तर्वस्तु सहित कीजिए।

(ख) देशीय पंचाट, विदेशी पंचाट और सुलह बन्दोबस्त की प्रवर्तनीयता तथा प्रभावित की क्या हैसियत होती है ?

8. Discuss the scope of conciliation proceedings (As per Arbitration & conciliation Act.1996) from commencement to Termination with special emphasis on confidentiality with Light of Decided cases.

सुलह कार्यवाहियों (माध्यस्थम और सुलह अधिनियम, 1996 के अनुसार) के प्रारंभ से लेकर अवसान तक के विस्तार का विवेचन विनिश्चित केसों के प्रकाश में गोपनीयता पर विशेष बल देते हुए कीजिए।